

誌 映 拡 展 蔵 訪 我 承 口 歴 張 貯 発 情 報

鏡かがみ
に
[]うつ
る
[]
[]
[]
[]
[]
[]
[]

京きょう都と
を
[]たず
ね
る
[]
[]
[]
[]
[]
[]

各かく国こく
を
[]れき
す
る
[]
[]
[]
[]
[]
[]

米こめ
を
[]ちよ
す
る
[]
[]
[]
[]
[]
[]

[]こう
[]しやう
に
よ
る
文ぶん学がく
[]
[]
[]
[]
[]
[]

道どう路ろ
の
[]かく
[]ちやう
[]
[]
[]
[]
[]
[]
[]

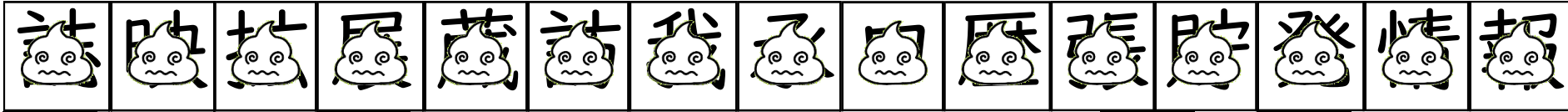
[]われ
に
返かえ
る
[]
[]
[]
[]
[]
[]
[]
[]

[]じやう
[]ほう
[]し
を
読よむ
[]
[]
[]
[]
[]
[]
[]

文ぶん化か
の
[]はっ
[]てん
[]
[]
[]
[]
[]
[]
[]

[]えい
画が館かん
に
行いく
[]
[]
[]
[]
[]
[]
[]
[]

かんじを
いれよう
なまえ
6-1-3



画館に行く

鏡に る

 による文学

道路の

米を する

京都を ねる

各国を する

 に返る

 を読む

文化の

かんじを
いれよう
なまえ



道どう
路ろ
の

京きょう
都と
を

ね
る

に
よ
る
文ぶん
学がく

文ぶん
化か
の

鏡かがみ
に

る

を
読よ
む

米こめ
を

す
る

画が
館かん
に
行い
く

各かく
国こく
を

す
る

に
返かえ
る

かんじを
いれよう
なまえ
6-1-3